



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 520 ]  
No. 520]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 6, 1995/भाद्र 15, 1917  
NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 6, 1995/BHADRA 15, 1917

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और  
सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1995

कम. आ. 770/अ।--केन्द्रीय सरकार, अग्रिम संधिदा विनियमन अधिनियम, 1952 § 1952 का 74 § की धारा 5 के अधीन विजय व्यापार चैम्बर लि., मुजफ्फरनगर द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त चैम्बर को गुड में अग्रिम संधिदा के बारे में 1 अक्टूबर, 1995 से 31 दिसम्बर, 1996 जिसमें ये दोनों दिन शामिल हैं तक की अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा मान्यता इस शर्त के अधीन है कि उक्त चैम्बर ऐसे निर्देशों का अनुपालन करेगा, जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[ फा. सं. 12/1/आई. टी./93 ]

सुजीत बनर्जी, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS  
AND PUBLIC DISTRIBUTION**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 6th September, 1995

**S.O. 770(E).**—The Central Government, in consultation with the Forward Markets Commission, having considered the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Vijai Beopar Chamber Ltd., Muzaffarnagar and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Chamber for a further period from 1st October, 1995 to 31st December, 1996 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Chamber shall comply with such directions, as may from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12/1/IT/93]

SUJIT BANERJEE, Jt. Secy.